INDIAN SCHOOL SOHAR **Set 1**
PEROIODIC TEST-III (2017-18) **No. of printed pages-2**
विषयः हिंदी (पाठ्यक्रम - ब)

दिनांक : 15 -01-2018 **पूर्णांक : 20**
कक्षा : IX **समय : 40 मिनट**

निर्देश : 1 इस प्रश्न-पत्र में कुल 8 प्रश्न हैं और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2 प्रश्न का उत्तर लिखने से पहले उसका क्रमांक अवश्य लिखा जाए।

प्रश्न 1- अपठित गद्यांश

हम जीवन में क्या चाहते हैं? सुख, समृद्धि, शांति, यही न! किंतु ये चीज़ें तभी मिल सकती हैं, जब हम इनको पाने का निरंतर प्रयास करते चलें। यदि हम व्यायाम के लिए, चिंतन के लिए, अध्ययन के लिए समय नहीं निकाल पाएँगे तो हमारा तन-मन कैसे स्वस्थ और सबल बन सकेगा? विषम परिस्थितियों में भी हम अपना संतुलन कैसे बनाए रख सकेंगे? अत: जीवन को सही अर्थों में सफल बनाने के लिए यह आवश्यक है कि हम इन सभी की साधना में रोज कुछ-न-कुछ समय अवश्य लगाएँ और यह तभी संभव हो सकेगा जब हम अपने समय का ठीक विभाजन कर लें। रोज उसका लेखा-जोखा करते रहें। वस्तुत: जो समय की कद्र करना सीख गया और जिसने समय का सदुपयोग कर लिया, वह सफलता का रहस्य समझ गया। हम अपने सुख और अपनी समृद्धि के लिए अपने समय का विभाजन जितना शीघ्र कर लें उतना ही अच्छा होगा, क्योंकि किसी मनीषी ने यह चेतावनी पहले ही दे रखी है कि समय और लहरें किसी की प्रतीक्षा में खड़ी नहीं रहतीं।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) हम जीवन में क्या-क्या चाहते हैं और उन्हें कैसे प्राप्त कर सकते हैं? **(1)**
(ख) जीवन को पूर्ण रूप से सफल बनाने के लिए क्या आवश्यक है? **(1)**
(ग) ' लेखा-जोखा ' करते रहने से क्या तात्पर्य है? **(1)**
(घ) मनुष्य सफलता के रहस्य को कब समझ सकता है? **(1)**

INDIAN SCHOOL SOHAR **Set 2**
PEROIODIC TEST-III (2017-18) **No. of printed pages-2**
विषयः हिंदी (पाठ्यक्रम - ब)

दिनांक : 15 -01-2018 **पूर्णांक : 20**
कक्षा : IX **समय : 40 मिनट**

निर्देश : 1 इस प्रश्नपत्र में कुल 8 प्रश्न हैं और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2 प्रश्न का उत्तर लिखने से पहले उसका क्रमांक अवश्य लिखा जाए।

प्रश्न 1- अपठित गद्यांश

ऐसे लोगों का साथ करना हमारे लिए बुरा है, जो हमसे अधिक दृढ़ संकल्प के हैं, क्योंकि हमें उनकी हर बात विना विरोध के मान लेनी पड़ती है। पर ऐसे लोगों का साथ करना और भी बुरा है, जो हमारी ही बात को ऊपर रखते हैं, क्योंकि ऐसी दशा में न तो हमारे ऊपर कोई नियंत्रण रहता है और न हमारे लिए कोई सहारा रहता है। दोनों अवस्थाओं में जिस बात का भय रहता है, उसका पता युवकों को प्राय: कम रहता है। किसी को मित्र बनाने में उसके पूर्व आचरण और स्वभाव आदि का कुछ भी विचार और अनुसंधान नहीं करते। वे उसमें सब बातें अच्छी ही अच्छी मानकर अपना पूरा विश्वास जमा देते हैं। हँसमुख चेहरा, बातचीत का ढ़ंग, थोड़ी सी चतुराई या साहस ये दो-चार बातें किसी में देखकर लोग उसे अपना बना लेते हैं। विश्वासपात्र मित्र जीवन की एक औषध है। वे उत्तम संस्कारों से हमें दृढ़ करते हैं, जब हम कुमार्ग पर पैर रखते है, तब वे ही हमें सचेत करते हैं। हमें अपने मित्रों से यह आशा रखनी चाहिए कि वे दोषों और त्रुटियों से हमें बचाएँगे, हमारे सत्य, पवित्रता और मर्यादा के प्रेम को पुष्ट करेंगे। जब हम हतोत्साहित होंगे, तब हमें उत्साहित करेंगे।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) कैसे लोगों का साथ करना ' और भी ' बुरा है क्यों? **(1)**
(ख) विश्वासपात्र मित्र को जीवन की औषध क्यों कहा गया है? **(1)**
(ग) लोग प्राय: क्या देखकर किसी को अपना बना लेते हैं? **(1)**
(घ) किसी को मित्र बनाते समय हमें किस बात का ध्यान रखना चाहिए? **(1)**

प्रश्न 2 - (क) संधि-विच्छेद कीजिए - उन्मूलन, मनोज **(1)**

(ख) संधि कीजिए - (i) वि + अंजन (ii) चिंता + उन्मुक्त **(1)**

प्रश्न 3 - निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग व प्रत्यय छाँटकर लिखिए। **(1)**

स्वार्थ, आतंकित

प्रश्न 4 - निम्नलिखित वाक्य में उचित स्थान पर विराम-चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य को पुन: लिखिए। **(1)**

उपवन में रंग बिरंगे फूल खिले हैं

प्रश्न 5 - ' धर्म की आड़ ' पाठ के आधार पर धर्म के स्पष्ट चिह्न बताते हुए स्पष्ट कीजिए कि महात्मा गांधी के धर्म-संबंधी विचार क्या थे? **(3)**

प्रश्न 6 - (क) कवि रहीम ने चित्रकूट की क्या विशेषता बताई है? **(1)**

(ख) ' अग्नि पथ ' कविता का केंद्रीय भाव लिखिए। **(2)**

अथवा

(क) शुक पेड़ पर कहाँ बैठा है?

(ख) ' एक फूल की चाह ' कविता के आधार पर मंदिर की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 7 - पिता के देहावसान एवं आर्थिक संकट के बाद भी अपनी पढ़ाई जारी रखने और अन्य पुस्तकें पढ़ने में अपनी रुचि बनाए रखने के लिए लेखक ने अनेक प्रयास किए। लेखक के ये प्रयास हमें कौन-से जीवन-मूल्यों से अवगत कराते हैं? **(3)**

प्रश्न 8 - खेलों में अधिक रुचि रखने वाले अपने छोटे भाई को पढ़ाई की ओर ध्यान देने की सलाह देते हुए पत्र लिखिए। **(3)**

अथवा

' मूल्य वृद्धि ' विषय पर साकेत और भाविक के बीच हुए वार्तालाप को लगभग **50** शब्दों में संवाद के रूप में लिखिए।

प्रश्न 2 - (क) संधि-विच्छेद कीजिए - नीलोत्पल, यशोधन **(1)**

(ख) संधि कीजिए - (i) वि + अग्र (ii) ऋक् + वेद **(1)**

प्रश्न 3 - निम्नलिखित शब्द में से उपसर्ग व प्रत्यय छाँटकर लिखिए। **(1)**

खुशबूदार

प्रश्न 4 - निम्नलिखित वाक्य में उचित स्थान पर विराम-चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य को पुन: लिखिए। **(1)**

पथिक दिन में इधर उधर क्यों घूमता रहा

प्रश्न 5 - ' धर्म की आड़ ' पाठ के आधार पर बताइए कि पाश्चात्य देशों में धनी व निर्धन लोगों में क्या अंतर बताया है और ' धन की मार ' के संबंध में लेखक के क्या विचार हैं? **(3)**

प्रश्न 6 - (क) ' तू न थकेगा कभी ' पंक्ति में कवि ने किसे संबोधित किया है? **(1)**

(ख) ' मनुष्य को प्रकृति आंदोलित करती है। ' कथन पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए। **(2)**

अथवा

(क) कवि रैदास ने भक्त को पानी व मोर माना है। कवि ने इन दोनों के स्थान पर ईश्वर को क्या-क्या मानकर भक्त व ईश्वर की तुलना की है?

(ख) कवि रहीम ने दोहे की जो विशेषता बताई है, उसे उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 7 - अभावों और संकटों से गुजरते रहने के बाद भी लेखक धर्मवीर भारती ने कभी धैर्य नहीं छोड़ा। उसी तरह साधनों के अभाव में आप अपनी पढ़ाई ज़ारी रखने के लिए कौन-से उपाय करेंगे? अपने विचार प्रस्तुत कीजिए। **(3)**

प्रश्न 8 - पढ़ाई में अधिक रुचि रखने वाले अपने छोटे भाई को व्यायाम की ओर ध्यान देने की सलाह देते हुए पत्र लिखिए। **(3)**

अथवा

' महँगाई की समस्या ' विषय पर भूमिका और विभा के बीच हुए वार्तालाप का लगभग **50** शब्दों में संवाद के रूप में लिखिए।